

वसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--- भाषा 3---- उपलापा (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 464]

नई विस्ली, दानिवार, सितम्बर 4, 1971/भाद्र 13, 1893

No. 464]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 4, 1971/BHADRA 13, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या थी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रला जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed

as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th September 1971

S.O. 3274/18A/IDRA/71.—Whereas the Central Government has by its notified order in the late Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 4160/18A/IDRA/69, dated the 9th October, 1969, issued under Section 18-A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951(65 of 1951), authorised the Gujarat State Textile Corporation to take over the management of the whole of the Himabhai Manufacturing Company Ltd., Ahmedabad (hereafter in this notification referred to as the 'industrial undertaking') for the perioid specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E of the said Act, the Central Government hereby specifies in the Scheduled annexed hereto, the exceptions, restrictions and limitations, subject to which the Companies Act 1956 (1 of 1956), shall continue to apply to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto, before the issue of the notified order under section 18A.

	SCHEDULE			
Provisions of the Companies Act, 1956.	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking.			
I	2			
Section 293 (1) (d)	This section shall not apply in tespect of any person or body of persons at thorseed by the Central Government to take over the natagement of the company under Section 18 A of the Industries (Development and Regulation) Act 1951.			

[No. 9(7)Lic. Pol./68.]

S. K. SAHGAL, Jt. Sery,

श्रीद्योगिक विकास ग्रीर भान्तरिक वियापार मंत्र।लय (श्रीद्योगिक विकास विभाग)

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1 971

का० आ० 3274/18आ०/आई० की०आए०ए०/71.--यतः उत्ते,ग (दिक्षाम तथा थितिस्सतः) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क के प्रधीन जारी किए गए भूतपूर्व प्रौद्योगिक विकास, प्रान्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय (भ्रौद्योगिक विकास विभाग) के प्रपने अधिसूचित प्रादेण संख्या का० आ० 4160/18ए/आई०डी०आर०ए०/69 दिनांक 9 प्रक्तूबर 1969 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने गुजरात राज्य वस्त्र निगम को सम्पूर्ण हिमाभाई मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, अहमदाबाद, (जिसे इसमें इसके पश्चात् इस ग्रधिसूचना में 'ग्रौद्योगिक उपक्रम' कहा गया है) का प्रबन्ध उसमें निर्दिष्ट कालाविध के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 18 ङ की उप-धारा (2) द्वारा प्रक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा इससे संलग्न श्रनुसूची में उन श्रपवादों, निर्वन्धनों श्रीर परिसीमाश्रों को निर्दिष्ट करती है, जिसके श्रध्यधीन रहते हुए कम्पनी श्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) भौद्योगिक उपक्रम पर उसी रूप में लागू रहेगा जिस रूप में यह उक्त श्रधिनियम की धारा 18-क के अधीन श्रधिसूचित श्रादेश के जारी होने से पहले उस पर दोता था।

ग्र न् सूची					
कम्पनी प्रक्षिनियम, 1956 के उपबन्ध	वे भ्रपवाद, निर्बन्धन भ्रौर परिसीमाएं, जिन के श्रघ्यधीन स्तंभ (1) में वर्णित उपबन्ध, उपक्रम पर लागू होंगे।				
1					
धारा 293 (1) (घ) .	. यह धारा, उद्योग, (विकास तथा विनियमन) प्रधिनियम, 1951 के प्रन्तर्गत कम्पनी का प्रबन्ध हाथ में लेने के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति प्रथवा व्यक्तियों के निकाय के सम्बन्ध में लागू नहीं होगी ।				

[सं० 9(7)/सि**क० प**ोल०/**6**8]

एस० के० सहगल, मंयुक्त सचिव, भारत सरकार।